



SIKKIM UNIVERSITY

(A Central University established by an Act of Parliament, 2007)

HINDI

(Master of Arts in Hindi)

6 Mile, Tadong-737102

Gangtok, Sikkim, India

www.sikkimuniversity.in

Approved by the Academic Council in its meeting held on 26th July 2013.

स्नातकोत्तर हिन्दी पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर

	पूर्ण मात्रा
HIN 101 - हिन्दी भाषा : उद्भव एवं विकास	4
HIN 102 - साहित्य का इतिहास दर्शन	4
HIN 103 - हिन्दी गद्य	4
HIN 104 - आधुनिक काव्य	4

द्वितीय सेमेस्टर

	पूर्ण मात्रा
HIN 201 - हिन्दी साहित्य का इतिहास	4
HIN 202 - भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4
HIN 203 - आदिकालीन एवं रीतिकालीन काव्य	4
HIN 204 - भाषा विज्ञान	4

तृतीय सेमेस्टर

	पूर्ण मात्रा
HIN 301 - समकालीन साहित्य चिंतन	4
HIN 302 - सिक्किम एवं पूर्वोत्तर भारत का साहित्य एवं संस्कृति	4
HIN 303 - भक्तिकालीन काव्य	4
HIN 304 वैकल्पिक : क) तुलनात्मक साहित्य	4
ख) अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार	4

चतुर्थ सेमेस्टर

	पूर्ण मात्रा
HIN 401 - वैकल्पिक : क) स्त्री लेखन	4
ख) प्रयोजनमूलक हिन्दी	4
HIN 402 - वैकल्पिक : क) लोक साहित्य	4
ख) जनसंचार लेखन	4
HIN 403 - वैकल्पिक : क) रंगमंच	4
ख) हिन्दी जनसंचार माध्यम	4
HIN 404 - लघुशोध प्रबंध	4

नोट 1: परियोजना प्रभारी अध्यापक के दिशा-निर्देशन में किया जाएगा ।

नोट 2: दो वर्षों के पश्चात पाठ्यक्रम की पुनः समीक्षा की जाएगी ।

प्रथम सेमेस्टर

पत्र संख्या:- HIN 101

हिन्दी भाषा : उद्भव एवं विकास

1. हिन्दी भाषा का विकास- प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ (अपभ्रंश, अवहट्ट साहित्य और पुरानी हिन्दी का संबंध)
2. हिन्दी की जनपदीय भाषाएँ - काव्य भाषा के रूप में अवधी का उदय और विकास, काव्यभाषा के रूप में ब्रजभाषा का उदय और विकास, साहित्यिक हिन्दी के रूप में खड़ी बोली का उदय और विकास
3. हिन्दी रूपरचना
 - क) हिन्दी संज्ञा, वचन, लिंग, प्रत्यय एवं उपसर्ग, हिन्दी कारक चिह्न
 - ख) हिन्दी सर्वनाम पदों का विकास
 - ग) विशेषण की रचना और विकास
 - घ) हिन्दी क्रिया, धातु, कृदंत, सहायक क्रिया, संयुक्त क्रिया
 - ङ) नागरी लिपि - उद्भव और विकास, मानकीकरण, वैज्ञानिकता

अनुमोदित पुस्तकें

1. भारतीय आर्यभाषा और हिन्दी : सुनीति कु. चटर्जी, हिन्दी समिति, लखनऊ
2. हिन्दी भाषा का संक्षिप्त इतिहास : भोला नाथ तिवारी
3. हिन्दी भाषा का इतिहास: धीरेन्द्र वर्मा
4. हिन्दी शब्दानुशासन : किशोरी दास वाजपेयी
5. हिन्दी व्याकरण : कांता प्रसाद गुरु
6. हिन्दी भाषा संरचना के विविध आयाम : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
7. नागरी लिपि और हिन्दी वर्तनी : अनंतलाल चौधरी, बिहार ग्रंथ अकादमी, पटना
8. हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि : धीरेन्द्र वर्मा, हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद
9. हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास : उदय नारायण तिवारी, लोकभारती, इलाहाबाद
10. हिन्दी उद्भव, विकास और रूप : हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद
11. हिन्दी व्याकरण का इतिहास : अनंत लाल चौधरी, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना

साहित्य का इतिहास दर्शन

1. इतिहास की अवधारणा
2. साहित्य इतिहास लेखन में इतिहास दृष्टि की आवश्यकता
3. साहित्य का समाजशास्त्र
4. काल विभाजन का आधार और नामकरण की समस्याएँ
5. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएँ

अनुमोदित पुस्तकें

1. साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पांडेय
2. इतिहास और आलोचना : नामवर सिंह
3. आलोचक के मुख से : नामवर सिंह
4. इतिहास क्या है : ई एच कार्की
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन : आचार्य नलिन विलोचन शर्मा; राष्ट्रभाषा परिषद, पटना

निबंध, नाटक और कथा साहित्य

1. गोदान (उपन्यास) -प्रेमचंद, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद
2. आपका बंटी (उपन्यास)- मन्नू भण्डारी
3. जूठन (आत्मकथा)- ओम प्रकाश वाल्मीकि
4. एक दुनिया समानान्तर (कहानी संग्रह)- राजेंद्र यादव(क. जिंदगी और जौंक-अमरकांत, ख मछलियाँ .
- उषा प्रियंवदा, ग तीसरी कसम उर्फ मारे गए गुलफाम .- फणीश्वरनाथ रेणु, घ चीफ की दावत .-
भीष्म साहनी)
5. चिंतामणि भाग-1(निबंध संग्रह) : रामचन्द्र शुक्ल (क. भाव या मनोविकार, ख. उत्साह, ग. क्रोध घ.
कविता क्या है ?)

6. आधे-अधूरे (नाटक) - मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

अनुमोदित पुस्तकें

1. हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. प्रेमचंद और उनका युग -रामविलास शर्मा
3. हिन्दी उपन्यास 1950 के बाद : डा. नित्यानन्द तिवारी, राजकमल, दिल्ली
4. नई कहानी: संदर्भ और प्रकृति : संपादक देवीशंकर अवस्थी, राजकमल, दिल्ली
5. गोदान का मूल्यांकन : सत्य प्रकाश मिश्र, नई कहानी प्रकाशक, इलाहाबाद
6. हिन्दी कहानी - एक अंतरंग पहचान - राम दरश मिश्र
7. कहानी, नई कहानी : प्रो नामवर सिंह
8. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच : नेमिचंद्र जैन
9. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी
10. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना : रामविलास शर्मा

पत्र- HIN 104

आधुनिक काव्य

1. कामायनी : जय शंकर प्रसाद, (लज्जा और श्रद्धा सर्ग)
2. राम की शक्ति पूजा - निराला (पुस्तक-राग विराग, संपादक -राम विलास)
3. असाध्य वीणा - अज्ञेय
4. अंधेरे में - मुक्तिबोध
5. दीप शिखा- पंथ होने दो अपरिचित, सब बुझे दीपक जला लूँ, जब यह दीप थके तब आना , यह मंदिर का दीप : महादेवी वर्मा
6. अकाल और उसके बाद, बहुत दिनों के बाद : नागार्जुन

अनुमोदित पुस्तकें

1. कामायनी -एक पुनर्विचार - मुक्तिबोध
2. नई कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा
3. अज्ञेय की काव्य तीतिरशा - डा. नन्दकिशोर आचार्य
4. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह
5. फिलहाल : अशोक वाजपेयी
6. संवाद और एकालाप : मलयज

7. नया पथ का नागार्जुन विशेषांक (पुस्तक रूप में शीघ्र प्रकाश्य)
8. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या : रामस्वरूप चतुर्वेदी

द्वितीय सेमेस्टर

पत्र - HIN 201

हिन्दी साहित्य का इतिहास

1. हिन्दी साहित्य का प्रारम्भ
2. आदिकाल की परिस्थितियाँ और कालगत विशेषताएँ
3. आदिकालीन साहित्य - सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो काव्य
4. भक्ति आंदोलन का विकास एवं तत्कालीन परिस्थितियाँ
5. संत काव्य की विशेषताएँ
6. सूफी काव्य धारा
7. सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ एवं विशिष्ट कवि
8. कृष्ण काव्य धारा की प्रमुख विशेषताएँ एवं विशिष्ट कवि
9. राम काव्य धारा की प्रमुख विशेषताएँ एवं विशिष्ट कवि
10. रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, विभिन्न धाराएँ एवं विशिष्ट कवि
11. हिन्दी में आधुनिक काल का प्रारम्भ
12. हिन्दी गद्य का विकास - ईसाई मिशनरी, फोर्ड विलियम कालेज और राष्ट्रीय जागरण की भूमिका
13. आधुनिक काव्य के विभिन्न सोपान - भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता
14. गद्य की विविध विधाएँ - कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी साहित्य का विकास
15. निबंध, रेखाचित्र, आलोचना, संस्मरण साहित्य का विकास
16. जीवनी, आत्मकथा, यात्रा वृत्तांत, हिन्दी पत्रकारिता का विकास

अनुमोदित पुस्तकें :

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1994
2. लोक जागरण और हिन्दी साहित्य : रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1990
3. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2000
4. हिन्दी गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992

5. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2000
6. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. आदिकालीन हिन्दी साहित्य : शंभूनाथ पांडेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन
8. रासो साहित्य विमर्श - माता प्रसाद गुप्त, साहित्य भवन, इलाहाबाद
9. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आ. रामचन्द्र शुक्ल
10. हिन्दी साहित्य, उसका उद्भव और विकास : हजारी प्रसाद द्विवेदी
11. रीति काव्य की भूमिका : डा. नगेंद्र
12. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डा. नगेंद्र

पत्र HIN 202

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

1. भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास
2. अलंकार संप्रदाय - स्वरूप और वर्गीकरण
3. रस संप्रदाय - रस का स्वरूप, अवयव, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण
4. रीति संप्रदाय - स्वरूप और भेद
5. ध्वनि संप्रदाय - ध्वनि का स्वरूप एवं भेद
6. वक्रोक्ति संप्रदाय - स्वरूप एवं भेद
7. औचित्य संप्रदाय
8. अरस्तू का अनुकरण एवं विरेचन सिद्धांत
9. लौजाइन्स - उदात्त की अवधारणा
10. टी एस इलियट - निर्व्यक्तिकता एवं परंपरा का सिद्धांत
11. आई एस रिचर्ड्स - मूल्य सिद्धांत, सम्प्रेषण सिद्धान्त
12. एफ आर लेविस - क्लोज़ रीडिंग

अनुमोदित पुस्तकें

1. हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास : भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. काव्य दर्पण : राम दहिन मिश्र, साहित्य भवन, इलाहाबाद
4. काव्य के सिद्धांत और अध्ययन : गुलाब राय, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली

5. भारतीय काव्य-चिंतन : शोभाकांत मिश्र, अनुपम प्रकाशन, पटना
6. भारतीय काव्यशास्त्र (भाग-१ और भाग-२) बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
7. काव्यशास्त्र की भूमिका : डा. नर्गेद्र, ने. प. हाउस, दिल्ली
8. भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज : डा. राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल, दिल्ली
9. काव्य के सिद्धांत और अध्ययन : गुलाब राय, आत्माराम एंड संस, दिल्ली
10. रस-सिद्धांत : नर्गेद्र, न.प.हा., दिल्ली
11. भारतीय साहित्यशास्त्र : गणेश त्र्यंबक देशपांडे
12. रस सिद्धांत : स्वरूप विश्लेषण, आनंद प्रकाश दीक्षित, राजकमल, दिल्ली
13. अलंकार-धारणा -विकास और विश्लेषण : शोभाकांत मिश्र, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना
14. काव्य-कल्पद्रुम (भाग १ एवं २) : कन्हैयालाल पोद्दार, अनुपम प्रकाशन, पटना
15. काव्यालोचन : ओम प्रकाश शर्मा, आर्य बुक डिपो, दिल्ली

पत्र - HIN 203

आदिकालीन एवं रीतिकालीन काव्य

1. चंदबरदाई आदिकालीन काव्य'- सं- वासुदेव सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. विद्यापति के गीत - नागार्जुन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली (गीत संख्या- 6, 9, 20, 25, 64, 95, 113, 124, 127)
3. अथ पद्मावती समय से आरंभिक 32 छंद
4. बिहारी-रत्नाकर : संपादक - जगन्नाथ दास रत्नाकर - आरंभ के 25 दोहे
5. घनानन्द, कवित : संपादक - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र - आरंभ के 20 छंद

अनुमोदित पुस्तकें

1. आदिकालीन काव्य : संपादक वासुदेव सिंह
2. विद्यापति : शिव प्रसाद सिंह
3. घनानन्द और स्वछंद काव्य धारा : मनोहर लाल गौड़
4. बिहारी : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. बिहारी का नया मूल्यांकन : डा. बच्चन सिंह
6. Mithila in age of Vidyapati, Varanasi, 1976 - Radha Krishan Choudhary
7. पृथ्वीराज रासो (भूमिका) इलाहाबाद - संपादक : हजारी प्रसाद द्विवेदी
8. आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी

पत्र HIN 204

भाषा विज्ञान

1. परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा के विभिन्न रूप, भाषा और बोली
2. भाषा-विज्ञान परिभाषा, क्षेत्र, अध्ययन पद्धतियाँ, उपयोगिता, भाषा विज्ञान का अन्य विषयों से संबंध
3. वाक्य-विज्ञान : वाक्य की परिभाषा, वाक्य के भेद, वाक्य परिवर्तन के कारण
4. ध्वनि-विज्ञान - ध्वनि अध्ययन के आयाम : उच्चारणात्मक, प्रसारणिक, श्रवणात्मक, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ और स्वनिमि विज्ञान
5. रूप-विज्ञान - रूप की अवधारणा, रूपिम और संरूप की परिभाषा, रूप परिवर्तन के कारण और दिशाएँ
6. अर्थ-विज्ञान : अर्थ की अवधारणा, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ

अनुमोदित पुस्तकें

1. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धान्त : रामकिशोर शर्मा, लोकभारती, इलाहाबाद
2. भाषा-विज्ञान : भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
3. भाषा-विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा, अनुपम प्रकाशन, पटना
4. भाषा-विवेचन : भगीरथ मिश्र, साहित्य भवन, इलाहाबाद
5. भाषा-शास्त्र की रूपरेखा : उदयनारायण तिवारी, भारती, इलाहाबाद
6. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान : सिद्धान्त और व्यवहार : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
7. भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र : कपिलदेव त्रिवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी

तृतीय सेमेस्टर

पत्र HIN 301

समकालीन साहित्य चिंतन

1. नई समीक्षा
2. मार्क्स और हिन्दी साहित्य
3. गांधीवाद और हिन्दी साहित्य
4. फ्रायड और हिन्दी साहित्य
5. अस्तित्ववाद और हिन्दी साहित्य

6. दलित चिंतन और स्त्री विमर्श

अनुमोदित पुस्तकें

1. समकालीन हिन्दी आलोचक और आलोचना- राम बक्ष जाट, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़
2. हिन्दी आलोचना - डा. विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन
3. Culler Jonathan - Structuralist Poetics : Structuralism, Linguistics and Study of Literature, Routledge and Regan Paul, London, 1975
4. Marxism and Literature, London, 1977- Williams Raymond
5. Criticism and Ideology, London, 1976-Eagleton Terry
6. Literary Criticism : A Short History, Oxford Publishing Co., New Delhi, 1957
7. The Literary Critics, Penguin, London, 1979-Watson George
8. दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र : शरण कुमार लिंबाले
9. दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र : ओम प्रकाश बाल्मीकि

पत्र HIN 302

सिक्किम एवं पूर्वोत्तर भारत का साहित्य एवं संस्कृति

1. सिक्किम से परिचय - क) राजनैतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास, ख) भूगोल एवं सामाजिक संरचना, ग) भाषा और बोलियाँ,
2. सिक्किम का लोक साहित्य - लोक गीत, लोक कथाएँ, लोलोक्तियाँ एवं मुहावरे, लोक विश्वास
3. सिक्किम के लोक साहित्य का संग्रह एवं सर्वेक्षण
4. पूर्वोत्तर भारत में हिन्दी साहित्य - वास्तविकता एवं संभावनाएं
5. पूर्वोत्तर भारत की भाषाएँ एवं सांस्कृतिक छवियाँ

अनुमोदित पुस्तकें

1. पूर्वोत्तर : आदिवासी सृजन मिथक एवं लोक कथाएँ : रमणिका गुप्ता (संकलन एवं सम्पादन) एनबीटी
2. अरुणाचल का आदिकालीन इतिहास : एल एन चक्रवर्ती (अनुवाद: सच्चिदानंद चतुर्वेदी) : एनबीटी
3. भारत की राष्ट्रीय संस्कृति : एस आबिद हुसैन (अनुवाद : दुर्गा शंकर शुक्ल) : एनबीटी
4. हिमालय की यात्राएं : एक कलाकार की स्केच-बुक : रामनाथ पसरीचा : एनबीटी
5. जंगल-जंगल, पर्वत-पर्वत : मनमोहन बावा : एनबीटी
6. पूर्वोत्तर समन्वय :पत्रिका : केन्द्रीय हिन्दी संस्थान

7. सिक्किम के पारंपरिक लोक नाट्य : बालण- शंकरदेव ढकाल एवं ओमप्रकाश भारती
8. अंकीया नाट - ओमप्रकाश भारती

पत्र - HIN 303

भक्तिकालीन काव्य

1. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी संकलित छंदों में से अंतिम 25 छंद
2. जायसी : जायसी ग्रंथावली -पद्मावत, संपादक - वासुदेवशरण अग्रवाल , नागमती वियोग खंड
3. सूरदास : 'भ्रमरगीतसार'- रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा
पाठ्य पदसंख्या - 7, 20, 21, 23, 24, 25, 31, 34, 38, 41, 50, 52, 64
4. तुलसीदास - रामचरित मानस (अयोध्या कांड) (गीता प्रेस गोरखपुर संस्कारण)
5. मीरा पदावली : परशुराम चतुर्वेदी, (प्रारम्भिक 5 पद)

अनुमोदित पुस्तकें

1. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. कबीर साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी
3. लोकवादी तुलसी : विश्वनाथ त्रिपाठी
4. जायसी : विजयदेव नारायण साही
5. जायसी ग्रंथावली (भूमिका), : वाराणसी- संपादक रामचंद्र शुक्ल
6. उत्तरी भारत की संत परंपरा-परशुराम चतुर्वेदी, साहित्य भवन, इलाहाबाद
7. सूर और उनका साहित्य : हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़
8. कबीर मीमांसा : रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
9. मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य : शिव सहाय पाठक, साहित्य भवन, इलाहाबाद
10. सूरदास : ब्रजेश्वर वर्मा, लोक भारती इलाहाबाद
11. कबीर : सं विजयेन्द्र स्नातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
12. तुलसी काव्य मीमांसा - उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
13. कबीर की भाषा : महेंद्र कुमार, आर्य बुक डिपो, दिल्ली
14. मीरा का काव्य, पेंग्विन बुक्स, दिल्ली
15. मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी

पत्र - HIN 304 : वैकल्पिक

क) तुलनात्मक साहित्य

ख) अनुवाद : सिद्धान्त एवं व्यवहार

क) तुलनात्मक साहित्य

1. तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा
2. 'तुलनात्मक साहित्य' का उद्भव और विकास
3. विश्व साहित्य की अवधारणा और तुलनात्मक साहित्य
4. भारतीय साहित्य की अवधारणा और तुलनात्मक साहित्य
5. तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन में अनुवाद की भूमिका
6. बहुसंस्कृति, अनुवाद और तुलनात्मक साहित्य

अनुमोदित पुस्तकें

1. Comparative Literature: A critical introduction/Susan Basnett/Blackwell
2. Comparative Literature: Theory, method, application/Zepetnek Steven Totosy de /Rodopi Amsterdam
3. Death of a Discipline/Gayatri Chakravorty Spivak/Seagull Book, Calcutta
4. तुलनात्मक साहित्य : संपादक नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली
5. तुलनात्मक साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य, इंद्रनाथ चौधुरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ, के. सच्चिदानंदन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका : इंद्रनाथ चौधुरी
8. तुलनात्मक साहित्य : संपादक - डा. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली - नगेंद्र (सं)
9. आलोचना की अवधारणाएँ : हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़, 1990 - रेनेवेलक
10. Making of Indian literature - ₹. Ayappa Panikar

ख) अनुवाद : सिद्धान्त एवं व्यवहार

- 1 अनुवाद : अवधारणा और परंपरा
- 2 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में अनुवाद का महत्व
- 3 शब्दानुवाद और भावानुवाद, पुनर्गठन, रूपान्तरण, यांत्रिक-अनुवाद, दुभाषीय-कर्म
- 4 भारतीय साहित्य के निर्माण में अनुवाद की भूमिका
- 5 बहु-भाषिक एवं बहु-सांस्कृतिक समाज में अनुवाद की भूमिका
- 6 पूर्वोत्तर भारतीय भाषाओं के हिन्दी अनुवाद की स्थिति एवं समस्याएँ
- 7 विश्व-साहित्य की अवधारणा और अनुवाद

अनुमोदित पुस्तकें

1. अनुवाद विज्ञान : डॉ नगेंद्र
2. अनुवाद विज्ञान : गार्गी गुप्ता
3. अनुवाद कला : डॉ एन ई विश्वनाथ अय्यर
4. अनुवाद के विविध आयाम : डॉ पूरनचंद टंडन
5. अनुवाद विज्ञान : सिद्धान्त और अनुप्रयोग: डॉ नगेंद्र
6. अनुवाद : सिद्धान्त और समस्याएँ : डॉ रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
7. अनुवाद : सिद्धान्त और प्रयोग : जी गोपीनाथ
8. गीतांजली के हिन्दी अनुवाद- डॉ देवेंद्र कुमार देवेश

चतुर्थ सेमेस्टर

पत्र - HIN 401 : वैकल्पिक

क) स्त्री लेखन

ख) प्रयोजनमूलक हिन्दी

क) स्त्री लेखन

1. स्त्री-विमर्श और स्त्री अस्मिता के प्रश्न
2. स्त्री संबंधी कानूनी प्रावधान
3. स्त्री मुक्ति आंदोलन - ऐतिहासिक रूपरेखा
4. भारतीय सामाजिक संरचना और स्त्री प्रश्न
5. पूर्वोत्तर राज्यों में स्त्रियों की स्थिति
6. दलित और आदिवासी स्त्री-प्रश्न
7. हिन्दी की प्रमुख स्त्री रचनाकारों एवं उनकी रचनाओं का अध्ययन:-
कवयित्रियाँ:-

मीरा बाई : मीरा मुक्तावली, संपादक - नरोत्तम दास स्वामी, पद संख्या-12 13 , 14 , 15, 31, 32, 33, 34, 72, 95, क्षुंखला के कड़ियाँ - महादेवी वर्मा, कठगुलाब-मृदुला गर्ग, एक कहानी यह भी- मन्नू भण्डारी, अनामिका - अनुपस्थित, अनुवाद और दरवाजा
कात्यायनी - मार्फत, सबसे सुंदर आदत के बारे में, यथार्थवादी लोगों के बारे में
कहानी लेखिकाएँ :-

वापसी - उषा प्रियम्बदा, सिक्का बदल गया- कृष्णा सोबती, एक पेड़ की मौत - अलका सरावगी
अन्या से अनन्या : डॉ प्रभा खेतान

अनुमोदित पुस्तकें

1. मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी
2. इतिवृत्त की रचना और स्वरूप : रोहिणी अग्रवाल
3. भारतीय समाज में महिलाएं : नीरा देसाई, उषा ठक्कर, (अनुवाद: सुभी धुसिया) : एनबीटी
4. स्त्री लेखन-स्वप्न और संकल्प : रोहिणी अग्रवाल
5. स्त्री-मुक्ति : साझा-चूल्हा : अनामिका
6. स्त्री उपेक्षिता : सीमोन द बोऊवार (अनु. प्रभा खेतान), हिन्द पाकेट बुक्स, दिल्ली, २००२
7. स्त्री संघर्ष का इतिहास : डा. राधा कुमार (अनु. रमाशंकर), वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2002

8. स्त्री पराधीनता : जे. एस. गिल. (अनु. युगांक धीर) - संवाद प्रकाशन, मेरठ, 2002
9. स्त्रीत्व का मानचित्र : अनामिका पब्लिशर्स, दिल्ली, 2002
10. स्त्री विमर्श : रमणिका गुप्ता - शिल्पायन, दिल्ली, 2004
11. स्त्री के लिए जगह राजकिशोर (सं) स्त्री के लिए जगह, वाणी प्रकाशन, 2002
12. स्त्री, परंपरा और आधुनिकता, वाणी प्रकाशन, 2002
13. औरत होने की सजा : अरविंद जैन - राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
14. स्त्री : अस्मिता और अस्तित्व, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1994
15. स्त्री का समय : क्षमा शर्मा - मेधा बुक्स, दिल्ली, 1998
16. हिन्दू स्त्री का जीवन : पंडिता रमाबाई - संवाद प्रकाशन, मुंबई-2006
17. स्त्री विमर्श : वाणी प्रकाशन

(ख) प्रयोजनमूलक हिन्दी

1. भाषा के विविध रूप : सामान्य हिन्दी, साहित्यिक हिन्दी, प्रयोजनमूलक हिन्दी, राष्ट्रभाषा हिन्दी, राजभाषा हिन्दी, संपर्क-भाषा हिन्दी, राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा हिन्दी में अंतर, राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी की संकल्पना और उसके विविध आयाम - कार्यालयी हिन्दी, जनसंचार की वित्त एवं वाणिज्य की हिन्दी, विज्ञान, तकनीकी एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र की हिन्दी, विज्ञापन में हिन्दी, संगणक क्षेत्र में हिन्दी
3. कार्यालयी कार्य - पद्धति के विविध आयाम, पत्र लेखन एवं उसके प्रकार, प्रारूप लेखन, प्रतिवेदन, संक्षेपण, ज्ञापन, परिपत्र
4. पत्रकारिता-स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार, पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास, समाचार लेखन कला, व्यवहारिक प्रथम प्रति शोधन, संपादकीय लेखन

अनुमोदित पुस्तकें :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : रवीन्द्र कुमार श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
2. राजभाषा हिन्दी : कैलाश चन्द्र भाटिया, हिन्दी पुस्तक केंद्र, दिल्ली, 1993
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी : विजयपाल सिंह, हिन्दी पुस्तक केंद्र, दिल्ली, 1993
4. प्रशासनिक हिन्दी : पूरनचंद टंडन, पाण्डुलिपि प्रकाशन, दिल्ली, 1994
5. हिन्दी पत्रकारिता और साहित्य : राम अवतार शर्मा, नमन प्रकाशन, दिल्ली, 2003

पत्र - HIN 402 वैकल्पिक

क) जनसंचार लेखन

ख) लोक साहित्य

क) जनसंचार लेखन

1. प्रिंट लेखन : समाचार-पत्र लेखन के विविध रूप - प्रेस-विज्ञप्ति, फीचर, अग्रलेख, साक्षात्कार, स्तम्भ-लेखन, व्यवसायिक सामाग्री लेखन, विज्ञापन लेखन, साक्षात्कार
2. रेडियो लेखन : समाचार लेखन, रेडियो फीचर, रेडियो नाटक, रेडियो विज्ञापन, साक्षात्कार, कार्यक्रम प्रस्तुति
3. टेलीविजन लेखन: पटकथा लेखन, समाचार लेखन, विज्ञापन कॉपी-लेखन, साक्षात्कार, कार्यक्रम प्रस्तुति

अनुमोदित पुस्तकें

1. मीडिया लेखन : सिद्धान्त और व्यवहार : चंद्रप्रकाश मिश्र
2. प्रिंट मीडिया लेखन : डॉ हरीश अरोड़ा
3. मीडिया लेखन : सिद्धांत और प्रयोग : मुकेश मानस
4. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया लेखन : डॉ हरीश अरोड़ा
5. साक्षात्कार : सिद्धान्त एवं व्यवहार : डॉ रामशरण जोशी, ग्रंथ शिल्पी
6. रेडियो लेखन : डॉ मधुकर गंगाधर : बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना
7. पटकथा लेखन : मन्नु भण्डारी
8. पटकथा लेखन : मनोहर श्याम जोशी
9. टी० बी० रीपोर्टिंग : पुण्य प्रसून वाजपेयी

ख) लोक साहित्य

- 1 लोक की अवधारणा
- 2 लोक और शास्त्र का अंतः संबंध- लोक और शास्त्र में भिन्नता, लोक और शास्त्र में एकता
- 3 हिन्दी लोक साहित्य का अध्ययन - हिन्दी की बोलियाँ और उनका लोक साहित्य एवं समान प्रवृत्तियाँ
- 4 हिन्दी लोक साहित्य का अध्ययन, अनुसंधान, सर्वेक्षण एवं संकलन
- 5 हिन्दी लोक साहित्य और लोक संगीत
- 6 हिन्दी लोक-नाट्य - रामलीला, रासलीला, स्वांग, नौटंकी, बिदेसिया,
- 7 पूर्वोत्तर भारत के लोक साहित्य का अध्ययन

अनुमोदित पुस्तकें

1. पूर्वोत्तर : आदिवासी सृजन मिथक एवं लोक कथाएँ : रमणिका गुप्ता (संकलन एवं सम्पादन) एनबीटी
2. भारत के आदिवासी क्षेत्रों की लोक-कथाएँ : शरद सिंह, एनबीटी
3. हिमाचल की लोक-कलाएं और आस्थाएं : मौलू राम ठाकुर, एनबीटी
4. हिमाचल प्रदेश : लोक-संस्कृति और साहित्य : गौतम शर्मा 'व्यथित', एनबीटी
5. हिन्दी साहित्य का बृहद इतिहास : राहुल सांकृत्यायन, नागरी प्रचारिणी सभा
6. लोक साहित्य की भूमिका : कृष्ण देव उपाध्याय
7. लोक साहित्य का अध्ययन : त्रिलोचन पांडेय , लोक भारती, इलाहाबाद
8. लोकायन, डॉ. ओमप्रकाश भारती
9. लोक, सं. पीयूष दर्ईया
10. पूर्वोत्तर के लोकनाट्य, डॉ. ओमप्रकाश भारती
11. धरागीत (पूर्वोत्तर की कहानियाँ), सं. के. सी. बराल, साहित्य अकादेमी
12. Lepcha Folklore and Folk Songs, by Lyangsong Tamsang, Sahitya Akademi
13. Orality and Beyond: A North-East Indian Perspective, Ed by Soumen Sen and Desmond L. Khamawphlang, Sahitya Akademi
14. Rabha Folk Tales, by Joykanta Sarma, Sahitya Akademi
15. नेपाली लोक कथाएँ, दो भागों में, प्रकाश प्रसाद उपाध्याय, साहित्य अकादमी

पत्र - HIN 403 वैकल्पिक

क) रंगमंच

ख) हिन्दी जनसंचार माध्यम

क) रंगमंच

- संस्कृत और पारंपरिक रंगमंच का स्वरूप
- भरत, स्तानिस्लाव्स्की, बरतोल्ट ब्रेख्त के अभिनय-सिद्धान्त
- भारतेन्दु हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद और मोहन राकेश का रंगमंच संबंधी चिंतन
- हिन्दी रंगमंच का इतिहास, अव्यवसायिक, पेशेवर, शौकिया, पारसी रंगमंच
- पृथ्वी थिएटर, इप्ता, आजादी के बाद का रंगमंच, नुक्कड़ नाटक, रंग-संस्थाएं, हबीब तनवीर
- प्रमुख पारंपरिक नाट्य-रूप, रामलीला, रास, स्वांग, नौटंकी, खयाल आदि

अनुमोदित पुस्तकें

- 1) नाट्यशास्त्र : राधावल्लभ त्रिपाठी
- 2) नाट्यशास्त्र : रेवा प्रसाद द्विवेदी
- 3) रंगमंच : बलवंत गार्गी
- 4) रंगमंच : नेमिचन्द्र जैन
- 5) पारंपरिक भारतीय रंगमंच : कपिला वात्स्यायन
- 6) पारंपरिक नाट्य : जगदीशचन्द्र माथुर
- 7) नाट्यशास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक : हजारी प्रसाद द्विवेदी
- 8) समकालीन हिन्दी नाटक और रंगमंच : जयदेव तनेजा
- 9) स्तानिस्लाव्स्की : चरित्र की रचना-प्रक्रिया : डॉ विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- 10) स्तानिस्लाव्स्की : अभिनेता की तैयारी : डॉ विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- 11) स्तानिस्लाव्स्की : भूमिका और संरचना : डॉ विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- 12) हिन्दी नाटक और रंगमंच : ब्रेख्त का प्रभाव : सुरेश वशिष्ठ
- 13) An Introduction to Dramatic Theory: Dr. A. Nicoll
- 14) The Art of Drama: Ronald Peacock
- 15) The Art of Dramatist: J.B. Priestley
- 16) The European theory of Drama: Barret H. Clark
- 17) The Theatre of Dramatic Theory: Allardyce Nicoll

18) किसे कहते हैं नाट्यकला- शंभू मित्र

ख) हिन्दी जनसंचार माध्यम

1. पत्रकारिता का इतिहास
2. समाचार : परिभाषा एवं स्वरूप
3. समाचार : संकलन एवं निर्माण
4. समाचार के स्रोत
5. समाचार, विज्ञापन, जन-संपर्क एवं प्रोपगैंडा
6. जन-संचार माध्यमों का स्वामित्व
7. प्रेस की स्वतन्त्रता का प्रश्न
8. प्रेस की आचार-संहिता
9. प्रिंट से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तक

अनुमोदित पुस्तकें

- जन संचार : डॉ हरीश अरोड़ा, युवा साहित्य चेतना मण्डल, नई दिल्ली
- हिन्दी पत्रकारिता और साहित्य : राम अवतार शर्मा नमन प्रकाशन दिल्ली
- संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र : रमैंड विलियम्स
- पूंजीवाद और सूचना युग : संपादक : मकचेसनी वूड
- संस्कृति विकास और संचार क्रांति - पी सी जोशी
- हिन्दी पत्रकारिता : कृष्णबिहारी मिश्र
- भारतीय समाचार पत्रों का इतिहास - जेफ्री रॉबिन्स
- जनसंचार माध्यमों का वर्ग चरित्र: सुभाष धूलिया : ग्रंथ शिल्पी
- मीडिया मिशन से बाजारीकरण तक : प्रो रामशरण जोशी
- मीडिया-विमर्श : प्रो रामशरण जोशी

पत्र - HIN 404

लघुशोध प्रबंध (मौखिक परीक्षा सहित)